हादसा

युवकों की बाइक, कपड़े और अन्य सामान से हुई पहचान, तीनों के शव निकाले गये

हाथीनाला वाटरफाल में डूबने से 3 छात्रों की मौत

नरसिंहपुर। तीन स्कूली छात्रों की हाथी नाला वाटरफाल में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। शुक्रवार को स्कूल के बाद घूमने निकले ये तीनों छात्र देर शाम तक घर नहीं लौटे, जिससे स्वजनों की चिंता बढ़ गई ।तलाश के दौरान हाथी नाला के पास उनकी बाइक और कपड़े मिलने से अनहोनी की आशंका गहराई, जो अंतत: सच साबित हुई ।रात करीब 11 बजे तक रेस्क्यू आपरेशन चला, जिसमें तीनों छात्रों के शव बरामद किए गए।

हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों की पहचान तनमय शर्मा पिता तरुण शर्मा, निवासी संस्कार सिटी, अश्विन जाट पिता भगवत जाट, निवासी धुवघट और अक्षत सोनी पिता अखिलेश सोनी, निवासी गोकुल नगर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तनमय चावरा विद्यापीठ में कक्षा 12वीं का छात्र था, जबकि अश्विन और अक्षत उत्कृष्ट विद्यालय में 12वीं में पढ़ते थे ।बताया जा रहा है कि तीनों छात्र शुक्रवार दोपहर स्कूल के बाद पिकनिक के उद्देश्य से हाथी नाला वाटरफाल की ओर निकले थे। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। जब वे हाथी नाला पहुंचे तो वहां युवकों की बाइक, कपड़े और अन्य सामान मिला। इसके बाद प्रशासन और रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। सर्च अभियान चलाया गया और रात होते-होते तीनों के शव पानी से बरामद कर लिए गए। घटना की खबर लगते ही मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण और परिजन जुट गए ।पूरे शहर में इस हृदयविदारक हादसे से शोक की लहर फैल गई है।

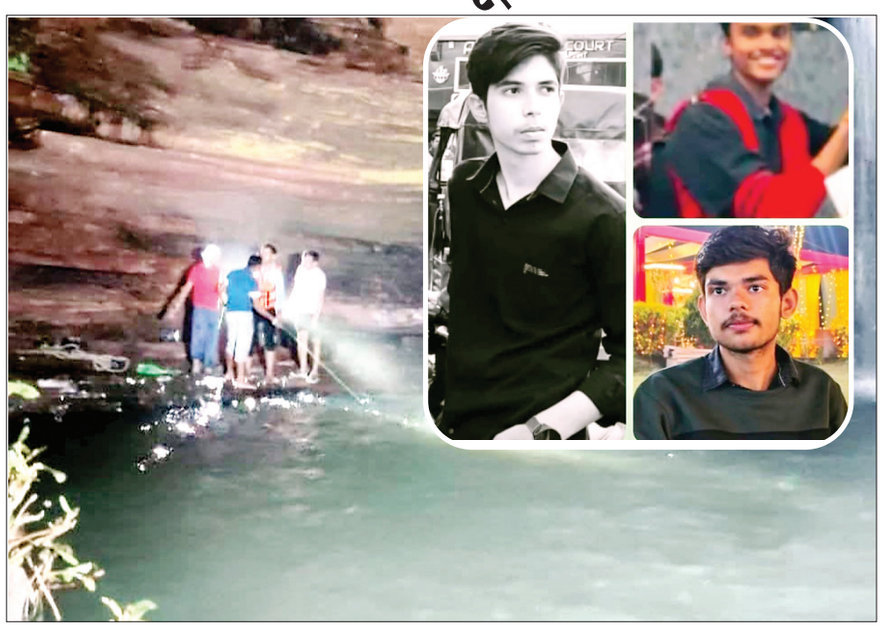

इस बारिश डूबने से दर्जन भर लोगों की मौत

लगातार हो रही वर्षा में आये नदी-नालों सहित प्राकृतिक जल प्रपातों में एक माह के अंदर लगभग दर्जन भर लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें बच्चें, युवा, व्यक्ति सभी शामिल है, लगातार हो रही वर्षा सहित बरगी डेम के ग्रेट खोलने से जिले की नदियों का जलस्तर बढ़ाता है, जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन लगातार गहरे पानी में न जाने व जलभराव वाले स्थानों से दूर रहने की अपील भी करता है।

लोगों में आक्रोश

डूबने से या नदी के बहाव में आने में मौतों की आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है ।और इसको रोकने प्रशासनिक कार्रवाई न काफी साबित हो रही है। वर्षा के पहले तैयारी के बाद भी नहीं बचा सका प्रशासन एक जान भी स्थानीय प्रशासन व कलेक्टर ने वर्षा के पहले कंट्रोल रुम सहित अन्य तैयारी की, लेकिन जैसे एक के बाद एक जान जाने से लोगों में आक्रोश है कि प्रशासन बैठकें बस कर रहा है, जमीनी स्तर पर कोई तैयारी देखने नहीं मिल रही, ऐसा ही एक मामला कुछ दिन पहले हुआ था, जब नाबालिग तीन बच्चों की मौत भी सिंगरी नदी में डूबने से हुई, इसके साथ एक व्यक्ति की पुल पार करते बहने से उसकी मौत हुई, इसके साथ चिनकी गये व्यक्ति की मौत भी डूबने से हो गई थी, और तीन व्यक्ति मछली पकड़ने डेम गये थे, उनकी भी मौत डूबने से हुई तो प्रशासन ने तैयार क्या की है।

आधे अधूरे मरम्मत कार्य से सड़क की दुर्दशा

साईखेड़ा। नगर परिषद साईखेडा के बीचों बीच से निकलने वाले स्टेट हाईव 44 मार्ग पर जगह जगह जाने लेवा गड्ढे है जिससे पैदल निकलने वाले राहगीरों मोटर साईकिल चालको को परेशानी होती है तेज रफ्तार आने जाने वाले वाहन चालक अनजाने मै गिर चोटिल हो जाते है या जान गवा बैठते है। दादा दरबार के पास, नर्मदा मंदिर के सामने, सब्जी बाजार शिव शक्ति मार्ग और ब्लॉक मुख्यालय के पास बडे बडे गड्ढे है। एमपीआरडी की सडक का आधे अधूरे मरम्पत कार्य के कारण सडक की यह दुर्दशा है। कंपनी द्वारा स्टेट हाईव गैरतगंज से झिकोली घाट तक डबल पट्टी मै डामलीकरण कर दिया गया लेकिन उसके आगे कामती तिगड्डा तक कोई पेचवर्क कार्य नहीं किया जिससे अनहोनी की संभावना बनी रहती है। नगर मैं

जगह जगह वाटर सप्लाई के लीकेज के कारण जलभराव से गड्ढे बड़े हो रहे है। मुख्य सडक पर प्रतिदिन सैकड़ो भारी और सवारी बाहनो की आवाजाही लगी रहती है। पूर्व मै कंपनी द्वारा शहर मैं मुख्य सडक को सीसी सडक और नाली निमार्ण ही कार्य करना था लेकिन नियम को ताक पर रखकर डामलीकरण कर दिया गया। मीडिया सोशल मीडिया और ज्ञापन के माध्यम से शासन प्रशासन से सीसी रोड बनाऐ जाने की मांग की जा रही है कई बार इस मार्ग से मंत्री सांसद विधायक कलेक्टर एसडीएम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों का आना जाना रहता है उनको भी यह गड्ढे नहीं दिखते। अत: जनापेक्षा है कि प्रतिदिन निकलने वाले अधिकारी जनप्रतिनिधि इन गड्ढों पर ध्यान देकर इनका सुधार कार्य करवाएं।

राम चरितमानस के पंचम सोपान सुन्दरकाण्डपाठ का आयोजन

नरसिंहपुर। पाठक वार्ड निवासी संजय राय के निवास पर सदगुरू रामायण मंडल बाँसकुँवारी के सदस्यों के द्वारा राम चरितमानस के पंचम सोपान सुन्दरकाण्डपाठ का आयोजन हुआ ।जिसमें सर्वप्रथम राम दरबार पूजन के उपरान्त मंडल सदस्यों की सुमधुर आवाज में संगीतमय पाठ आरम्भ हुआ जो देर रात तक चला। इस धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन में मुख्य रूप से पं.लक्ष्मण वैष्णव श्री गणेश राय सुरेंद्र झारिया प्रमोद झारिया खूबचंद कुशवाहा गोविंद महाराज सुरेंद्र भाई मुन्ना सेन रवि झारिया गुलाब नामदेव सुरेश ठाकुर सुखदेव अजीत जाट एसके चतुर्वेदी जनपद पंचायत नरसिंहपुर उपाध्यक्ष कन्छेदी पटेल रमा शंकर गुमास्ता कुंज बिहारी यादव राजू राजपूत छोटू पटेल दीपक पटेल एवं अन्य मुहल्ला वासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। रामायण जी,हनुमान जी की आरति,भजन कीर्तन तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बाबा बर्फानी व महाकाल की शाही पालकी यात्रा निकली

गोटेगांव। बीते दिवस श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीधाम क्षेत्र की पावन धरा पर पीले के पास स्थित मुस्कान ट्रेडर्स से प्रारंभ होकर धूमधाम हर्षोल्लास डीजे बाजे गाजे आतिशबाजी के साथ बाबा बर्फानी की भव्य झांकी एवं बाबा महाकाल की शाही पालकी सवारी यात्रा निकाली गई जिससे पूरा नगर में गूंज उठा जय बाबा गोष बे वातावरण भक्तिमई हो गया, भव्य शोभा यात्रा में बाबा बर्फानी की एवं बाबा महाकाल की शाही पालकी और बर्फ से बनी बाबा अमरनाथ की शिवलिंग एवं माता महाकाली व नंदी पर सवार शंकर पार्वतीजी की भव्य आकर्षक मनमोहक झांकियां एवं यात्रा में जय श्री महाकाल ग्रुप एवं पागल अधोरी टीम जबलपुर के कलाकारों द्वारा अनुपम झांकियां प्रस्तुत की गई। साथ ही सागर की विख्यात डमरू ग्रुप आर.टी.धमालपार्टी व राजधानी भोपाल के कलाकारों द्वारा शोभायात्रा के आगे-आगे रागोली की विशेष प्रस्तुति प्रदान की।

तालाब सहित अमृत सरोबर डेमों की गुणवत्ता पर सवाल

गाडरवारा। पंचायतों के विकास को लेकर सरकार द्वारा जिस तरह अनेक मदों के माध्यम से राशि खर्च की जा रही है उसके चलते निश्चित तौर अब तक पंचायतों की सूरत बदल जा चुकी होती क्योकि हर साल देखा जाता है कि पंचायतों में शासन द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यो के नाम पर लाखों रूपया की राशि प्रदान की जा रही है। इस बात की सच्चाई तीन साल पहले यानि की बीते हुये पंचायती कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायती राज के तीन शाल के कार्यकाल के दौरान देखी जा सकती है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि वह शासकीय राशि को पंचायतों द्वारा किस तरह से कार्य किया जा रहा है। इस सच्चाई को देखने लिये शायद जिम्मेदार

अधिकारियों को कोई लेना देना ही नही है। इस तरह पंचायती राज में विकास कार्य अधिकारियों की मिली भगत के चलते सिर्फ कागजों पर ही होते हुये देखे जा रहे है। यह सच्चाई सिर्फ किसी एक पंचायत नही बल्कि अनेक पंचायातों में देखनेमिल सकती है। मुख्य रूप से गाडरवारा तहसील क्षेत्र अंतर्गत आने पंचायतों में बनाये गये तालाब व अमृत सरोबर डेमों के निर्माण कार्यों की सच्चाई को देखकर लोग आश्चर्य में पढ़ने से नही चूक पा रहे है। जहां एक किसान मात्र दस बीस हजार रूपया की लागत लगाते हुये अपने खेत में बंधिया बनाता है वह जरा सी बारिश के दौरान तालाब का रूप धारण कर लेती है। मगर पंचायतों द्वारा लाखों रूपया की लागत से बनाये गये तालाब व अमृत सरोबरों में सूखे दिनों की बात तो दूर बारिश के दिनों में तक पानी दिखाई नही दे पा रहा है। तालाब व अमृत सरोबर के नाम पर शासकीय राशि खर्ज करते हुये किये जाने वाले इन विकास कार्यो का हाल इस तरह देखने मिल रहा है कि गांवों के पुराने नालों व ऊबड खाब जगहों में पड़त पड़ी हुई भूमि को चारों ओर से मिट्टी डालने की औपचारिकता पूर्ण करते हुये तालाब व डेमों का नाम देते हुये अधिकारियों की मिली भगत से लाखों रूपया निकालने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इन निर्माण कार्यो की पोल मौके पर हुये निर्माण कार्य से लेकर उनमें कार्य करने वाले मजबूरी की सूची अपने आप ही उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है।

सेवानिवृत होने पर अर्जुन सिंह को दी भावभीनी बिदाई

गोटेगांव। विगत दिवस स्थानीय जल संसाधन विभाग उपसंभाग में पदस्थ अर्जुनसिंह पटेल द्वारा विभाग में 35 वर्षों तक लगातार विभागीय कार्यो के प्रति पूर्ण लगन निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए 62 वर्ष की आयु प्राप्तकर अपनी सेवा से निवृत होने पर विभाग द्वारा स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया, सम्मान समारोह में कार्यपालन यंत्री बी. के उईके नरसिंहपुर अनुविभागीय अधिकारी बी. डी मुड़िया कार्यपालन यंत्री अनुविभागीय अधिकारी ने अर्जुनसिंह पटेल को रोरी तिलक लगाकर फूलमाला पहना कर शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किए जाने के उपरांत स्टाफ कर्मचारी उपयंत्री आरआर खान

पडीएम डी. के. कोस्टा पूर्व अमीन ओ.पी. पटेल छुड़ामणि राजपूत योगेश पटेल राकेश तिवारी रामजी यादव ओकारपटेल सुधीर वकुर कैलाशरैकवार गोस्वामी पटेल यासीनखान चेतराम वाकुर सहित समस्त कर्मचारियों ने रोरी तिलक लगाकर फूलमाला पहना कर स्मृतिचिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान कर उनके स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना कर गाजे बाजे के साथ भावभीनी दी।

एक नजर में

डीईओ एवं डीपीसी को सेवानिवृत्ति पर दी बिदाई

गाडरवारा। गत दिवस स्थानीय बीटीआई स्कूल में जिला शिक्षा अधिकारी सलीम खान एवं जिला परियोजना समन्वयक डॉ आर पी चतुर्वेदी को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर प्राचार्यो एवं शिक्षकों ने शाल, श्रीफल, उपहार देकर भव्य विदाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी माँ सरस्वती के चित्र का पूजन एवं छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना गाकर किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का स्वागत संस्था प्राचार्य सुनीता पटैल सहित प्राचार्यो एवं शिक्षक महेश अधरुज, मधुसूदन पटैल, सिराज अहमद सिद्धिकी सहित अन्य ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य सुशील शर्मा ने विदाभिन्दन पत्र का वाचन किया एवं अपनी स्वरचित पुस्तकें भेंट की। स्वागत भाषण बीआरसी संदीप स्थापक ने देते हुए डीईओ एवं डीपीसी के कार्यों की प्रशंसा की।

पूर्व विधायक संजय शर्मा की सोमवार को कांवर यात्रा

तेंदूखेड़ा क्षेत्र की खुशहाली सुख समृद्धि को लेकर पूर्व विधायक संजय शर्मा विगत कई वर्षों से पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट ककरा घाट से पैदल कांवर यात्रा डमरु घाटी स्थित शिवधाम तक निकाला करते हैं इस वर्ष भी यह विशाल कांवर यात्रा सोमवार को सुबह आठ बजे से पूजन अर्चन के उपरांत यात्रा निकाली जायेगी। तथा शिव धाम डमरु घाटी पहुंच कर शिवाभिषेक किया जायेगा ।इस यात्रा को लेकर काफी उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है। संपूर्ण क्षेत्र से बढ़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुआ करते हैं।

पेंशनर समाज सदस्यों ने भगवान दास साहू का किया सम्मान

गोटेगांव स्थित साहू समाज उत्थान मंडल के संयोजक साहू समाज के अध्यक्ष तथा पेंशन समाज गोटेगांव के तहसील अध्यक्ष का दायित्व निभाने वाले भगवान दास साहू सेवानिवृत शिक्षक को कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त तेलघानी बोर्ड मध्य शासन के अध्यक्ष रविकिरण साहू ने गोटेगांव विधानसभा 118 का विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया था, जिसे लेकर पेंशनर समाज के सदस्यों ने हर्ष व्याप्त करते हुए बेलहाई स्थित पेंशनर समाज कार्यालय में श्री साहू की नियुक्ति पर समस्त पेंशनर समाज के सदस्यों ने भव्य स्वागत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पेंशनर समाज के सदस्यों द्वारा श्री साहू को फूलमाला पहनाकर शाल श्रीफल से तिलक रोरीलगाकर सम्मान किया इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हर नारायण तिवारी रमेश पाठक डीसी नामदेव निर्मल पटेल बालकृष्ण रमेश नागवंशी सहित अनेक पेंशन साथियों ने स्वागत कर बधाई दी साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शासकीय हाई स्कूल में हुआ नि:शुल्क साईकिल वितरण

गाडरवारा। शासकीय पीएम श्री हाई स्कूल पिपरिया कला में आयोजित हुआ नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत वार्ड क्रमांक 5 के जनपद सदस्य प्रतिनिधि चंद्रपाल सिंह राजपूत ने सहभागिता कर कक्षा छठवीं के 11 एवं कक्षा नवमी के 14 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों को सतत शिक्षा, अनुशासन और नियमित उपस्थिति के महत्व की जानकारी देते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर ग्राम पंचायत पिपरिया कला के सरपंच रामपाल सिंह ठाकुर, पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल की प्राचार्य मीना अग्रवाल ,शिक्षक कमलेश कुमार, तिवारी शिक्षक जगपाल दुर्गपाल राजपूत, शिक्षक सुरेश श्रीवास, शिक्षिका कुमारी पुष्पा चौकसे, अपूर्वा, रितु श्रीवास्तव, अतिथि शिक्षक प्रदीप लोधी, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

तुलाई नहीं होने से भड़क उठे किसान

तेंदूखेड़ा। इन दिनों समर्थन मूल्य के तहत मूंग तुलाई को लेकर किसान मूंग की उपज लेकर बरसात की बाढ़ के बीच संबंधित वेयरहाउसों में पिछले एक पखवाड़े से खड़े हुए हैं। शनिवार को ग्राम रम्पुरा के समीप अमलतास वेयर हाउस में तुलाई ना होने के कारण किसान भड़क उठे और एन एच 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर ट्रेक्टर ट्राली लेकर खड़े हो गए। मुख्य सड़क मार्ग बंद होने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के साथ राजस्व विभाग से कुछ अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की। किसानों का कहना था कि हम लोगों की स्लाइड बुक हो चुकी है और आप वेयर हाउस प्रशासन का हवाला देकर तुलाई नहीं कर रहें हैं। चूंकि तारीख निकलने के बाद यदि तुलाई नहीं होगी तो हम लोग क्या करेंगे वैसे भी किसान उपज तुलाई को लेकर बहुत ही परेशान बना हुआ है ।एक तो लगातार बारिश और मुख्य सड़क मार्गों पर अंधेरे में दिन रात पड़ा हुआ है।

दूल्हे को विष्णु का रूप और बहू को लक्ष्मी स्वरूपिणी मानना ही हैं हमारी सनातन परंपरा- सदानंद सरस्वती जी

गोटेगांव। पश्चिमाम्नाय श्रीद्वारकाशारदा पीठ के पीठाधीश्वर श्रीमज्जगदुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीसदानंद सरस्वती जी महाराज के सान्निध्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गोस्वामी तुलसीदास जी एवं पूज्य गुरुदेव भगवान् के पूजन से हुई। तुलसी जयंती के पावन अवसर पर ब्रह्मविद्यानंद ब्रह्मचारी जी ने गोस्वामी तुलसीदास जी की जीवन यात्रा को गूढ़ और प्रेरणादायक प्रसंगों के साथ प्रस्तुत किया। श्री निर्विकल्प स्वरूप ब्रह्मचारी जी ने हनुमानजी द्वारा तुलसीदास जी को प्रभु श्रीराम के दर्शन कराए जाने की कथा सहित कई ऐतिहासिक प्रसंग सुनाए। ज्योतिषपीठ के पं. श्री रविशंकर द्विवेदी जी ने भी सारगर्भित व्याख्यान से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने अपने

श्रीमुख से कहा हमारी सनातन संस्कृति आत्मिक ज्ञान और लोककल्याण के आधार पर खड़ी है। जब भी भारतवर्ष पर संकट आता है, कोई न कोई दिव्य अवतार उसकी रक्षा हेतु प्रकट होता है। उन्होंने रामचरितमानस को सभी वेद-पुराणों का सार बताते हुए कहा कि नाना पुराण निगमागम सम्मतं यद्- यही सारा तत्व मानस में समाहित है। उन्होंने राम विवाह प्रसंग के माध्यम से भारतीय विवाह परंपरा, नारी सम्मान और परिवार व्यवस्था की गरिमा को रेखांकित किया। पूज्य महाराजश्री ने कहा जन्मदिन पर पुत्र माता-पिता के चरण धोकर चरणामृत लेता है, कुमारी पूजन, सौभाग्यवती पूजन यह सब हमारी संस्कृति के मूल हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विवाह केवल एक रस्म नहीं, धर्म का गम्भीर संकल्प है। दूल्हे को विष्णु का रूप और बहू को लक्ष्मीस्वरूपिणी मानना ही हमारी सनातन परंपरा है। यदि पति कुसंग में जाकर नशा करने लगे तो पत्नी को चाहिए कि वह उसे सन्मार्ग पर लाने का प्रयास करे और आवश्यकता पड़ने पर त्यागने का भी संकल्प ले। उन्होंने समाज में बढ़ते दिखावे और आडंबर पर चिंता जताते हुए कहा कि धर्म का पालन आचार और विचार से होता है, न कि बाह्य प्रदर्शन से। सनातन धर्म की शक्ति आत्मिक तप और गुरु आज्ञा के पालन में निहित है।

उपपंजीयक कार्यालय खाली करने तहसीलदार ने थमाया नोटिस

तेंदूखेड़ा। जब से तहसील कार्यालय का लोकार्पण हुआ था उसके कुछ समय बाद से तेंदूखेड़ा क्षेत्र में किसानों की जमीनों की लिखा पड़ी से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को लेकर यहां उपपंजीयक कार्यालय तहसील कार्यालय के एक कक्ष में शुरुआत की गई है जो अभी भी चल रहा है। रिकार्ड को लेकर संकीर्णता की स्थिति में एक कक्ष वर्ष 2018 में तत्कालीन आयुक्त महोदय के दौरे के समय उपपंजीयक कार्यालय के लिए उपलब्ध करा दिया गया था। लेकिन कुछ ही समय पूर्व में आये तहसीलदार महोदय ने इस उपपंजीयक कार्यालय को खाली करने के लिए बीसी एवं रिकार्ड रुम बनाये जाने का हवाला देते हुए खाली करने का नोटिस दिया है ।जिसे लेकर उपपंजीयक महोदय अब अपने लिए अलग से भवन की तलाश में जुटे हुए हैं। और वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श भवन उपलब्ध के लिए पत्राचार भी कर रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को

मिली जानकारी के अनुसार फिल हाल इस उपपंजीयक कार्यालय को पुराने आई टी आई में ले जाने के लिए कहा गया है लेकिन यह भवन भी पूर्व से जर्जर है और पानी का रिसाव हो रहा है जहां किसानों की रजिस्ट्री से लेकर सर्च संबंधी रिकार्ड रखा जाता है। और सुरक्षा के साथ अनेक विसंगतियां भी हैं। किसानों को आने जाने में भी परेशानी होना स्वाभाविक है।

पूरे तहसील कार्यालय में हो रहा पानी का रिसाव

गौरतलब रहे कि तहसील कार्यालय भवन की गुणवत्ता को लेकर शुरू से ही सवाल उठते रहे हैं। और कई बार जीर्णोद्धार भी हो चुका है। फिर भी बरसात के दिनों में पानी के रिसाव के चलते कम्प्यूटर से लेकर अन्य रिकार्डों को पनी डालकर सुरक्षित करना पड़ता है। चूंकि भवन काफी जर्जर होने के साथ नये भवन की जरूरत है।

किसानों को बैठने नहीं है जगह

आये दिन समाचार पत्रों के माध्यम से भी यह विषय उठाये जाते रहें हैं। तेंदूखेड़ा तहसील कार्यालय में जहां किसानों को बैठने तक के लिए उचित व्यवस्था नहीं है यहां वहां वृक्षों की छाया में बैठकर राजस्व से संबंधित काम करवाते देखे जाते हैं ना तो इनके लिए।

इनका कहना है

उपपंजीयक कार्यालय को खाली करने के लिए तहसील कार्यालय से नोटिस मिला है 15 दिनों में कक्षों को खाली करना है। पुराने आई टी आई भवन में कार्यालय ले जाने हवाला दिया जा रहा है लेकिन वहां की स्थिति भी काफी गंभीर बनीं हुई है।

आर एल तिवारी, उपपंजीयक तेंदूखेड़ा

यह हमारा इंटरनल विषय है पूरे तहसील कार्यालय भवन में पानी का रिसाव हो रहा है। तहसील कार्यालय के रिकार्ड को सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं। वीसी एवं रिकार्ड रुम बनाए जाने के लिए हमें स्वयं जगह की आवश्यकता है। हमारे भवन में दूसरे विभाग को कक्ष देना कहां तक उचित है। शीघ्र ही भवन का कायाकल्प किया जायेगा।

निर्मल पटले, तहसीलदार तेंदूखेड़ा

जो धर्म के लिए खड़ा होता है, उसके साथ स्वयं ईश्वर खड़े होते है : सदानंद सरस्वती

नरसिंहपुर। वोश्रावण मास केवल जल चढ़ाने का समय नहीं, यह आत्मा को शिवत्व की ओर ले जाने वाली साधना का महीना है। यह वह समय है जब श्रवण (सुनना) स्वयं उपचार बन जाता है और यदि यह श्रवण जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज की अमृतवाणी से हो, तो वह कथा नहीं, साक्षात्कार बन जाती है। शिव नहीं चाहते कुछ लो, वे चाहते हो जाओ महादेव अवढरदानी हैं जो कुछ भी हो, दे डालते हैं। पर शिव की सबसे बड़ी इच्छा है कि हम वस्तु न माँगें, स्वयं को अर्पित करें। तीन बार कोई कहे शिवजशिवर्जशिव, तो यह केवल जप नहीं, वह स्वयं को शिव के चरणों में अर्पित करने की प्रक्रिया है। गुरु के वचन में समर्पण वही सच्चा चमत्कार जब शबरी को गुरु ने कहा प्रभु आएंगे, तो उसने सवाल नहीं किया, गणना नहीं की बस प्रेम और प्रतीक्षा में रम गई। समय का झुकना उन्हीं के चरणों में होता है जो

गुरु वाक्य में थम जाना जानते हैं। राम केवल राक्षसों से नहीं लड़ते वे हमारे संकल्पों के रक्षक हैं जब श्रीराम यज्ञ रक्षा को चले, तो वह केवल विश्वामित्र का कार्य नहीं था। वह एक घोषणा थी धर्म की तरफ से जो धर्म के लिए खड़ा होता है, उसके साथ स्वयं ईश्वर खड़े होते हैं राम का साथ मिलना चमत्कार नहीं, धर्म में दृढ़ रहने का परिणाम है। चार लड्डू और नियति का रहस्य जब रत्नों से भरे चार लड्डू एक निर्धन व्यक्ति के पास पहुँचे और लौटाए गए — तो यह केवल चमत्कार नहीं, यह ईश्वरीय न्याय का दर्शन था। जो तुम्हारा है, वह लौटता है — चाहे समय लगे, चाहे राहें उलझें। नियति भ्रमण करा सकती है, पर भूल नहीं सकती।